साक्षरता विकास के महत्वपूर्ण पड़ाव

विकासात्मक दिशानिर्देश एकदम सही नहीं हैं और केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग किए जाने चाहिए। सभी बच्चे अलग-अलग रफ़्तार से विकसित होते हैं और उनकी मौखिक भाषा, पढ़ना और लिखना समान दर पर या समान समय में विकसित होना आवश्यक नहीं है। बच्चों के आरंभिक साक्षरता विकास में निम्नलिखित विशेषताएं देखी जा सकती हैं। माता-पिता अपने बच्चे के कार्यकलापों को समझने के लिए इनका उपयोग कर सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपका बच्चा अपेक्षित दर से विकास नहीं कर रहा है तो अपने डॉक्टर या सामुदायिक नर्स से बात करें, क्योंकि हस्तक्षेप उपयोगी हो सकता है।

शुरुआत (0 से 3)

0 से 1 वर्ष	1 से 2 वर्ष
मौखिक भाषा 1 से 3 महीने: इंसान की आवाज पर सिर या आंखें घुमाता है। बार-बार आवाजें करता है जैसे किलकना। 4 महीने: 'नहीं' और आवाज के लहजे में परिवर्तनों पर प्रतिक्रिया करता है। आवाज़ों में बोलने के जैसी अधिक बड़बड़ाहट होती है। 6 से 9 महीने: अपने वातावरण में कुछ आवाज़ों का अनुकरण करता है, कुछ सामान्य रूप से सुनी जाने वाली ऐसी मानवीय बातचीत की नकल करता है जो उसे सार्थक लगती है (*मम्मी, डैडी, बिस्कुट, बाय-बाय)*। अपने खुद के नाम के बोले जाने पर और *यहाँ आओ* जैसी बातों का जवाब देता है। बातचीत करने पर सुनता है और आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले शब्दों को पहचानने लगता है (जैसे *कप, बोतल*)।	**मौखिक भाषा** बड़बड़ाहट उसकी मातृ भाषा की आवाज़ों और लहजे के प्रतिमानों को दर्शाती है। जितने वह बोल सकता है उनसे अधिक शब्दों को समझने लगता है। शरीर के कुछ अंगों और चीजों की तस्वीरों को इंगित कर सकता है जब कोई वयस्क उनके नाम बोलता है। 'टेलीग्राफिक स्पीच' का इस्तेमाल करना शुरू करता है जैसे ***Daddy home. Get milk. Bottle fall.*** 1-2 शब्दों वाले कुछ प्रश्न पूछता है जैसे *वह क्या?* 15 महीने: 4-5 शब्द बोलता है 18 महीने: 9-20 शब्द बोलता है। अपनी मातृ भाषा की अधिकांश आवाज़आवाज़ों का उच्चारण कर सकता है।

© 2021 Commonwealth of Australia, unless otherwise indicated. Creative Commons Attribution 4.0, unless otherwise indicated.

0 से 1 वर्ष	1 से 2 वर्ष
12 महीने: बोलने की ध्वनियों या चीख-रहित आवाज़ों का इस्तेमाल करता है ताकि ध्यान खींच सके और अपनी ज़रूरतें पूरी करवा सके। एक या दो पहचानने योग्य शब्द बोलता है। **पढ़ना** जोर से पढ़ी गई पुस्तकों को सुनता है। 3 से 6 महीने: चित्रों को घूरता है 9 से 12 महीने: पुस्तकों को छूकर, देखकर, चखकर, सूंघकर और सुनकर उनका अन्वेषण करता है।	21 महीने: तुकबंदी वाले खेल पसंद करता है। खुद के अनुभवों को साझा करने की कोशिश करता है। 24 महीने: 150-300 शब्द बोलता है। **पढ़ना** जोर से पढ़ी गई पुस्तकों को सुनता है। जोर से पढ़ी जाने वाली कहानियों में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने लगता है। दोहराव और तुकबंदी वाली कहानियों का आनंद लेता है। अपनी दुनिया की वस्तुओं की तस्वीरों वाली जानकारीपूर्ण पुस्तकों का आनंद लेता है। **लिखना** क्रेयॉन, चॉक और पेंसिल पकड़ना और थामना सीखता है। आड़ी-तिरछी रेखाएं खींचता है; बड़ी घुमावदार गतिविधियों (1-2 वर्ष) से आगे बढ़ते हुए धीरे-धीरे चित्रकारी और आड़ा-तिरछा लिखने जैसे काम करने लगता है। अपने द्वारा 'लिखे गए' संदेशों को 'पढ़' सकता है।

© 2021 Commonwealth of Australia, unless otherwise indicated. Creative Commons Attribution 4.0, unless otherwise indicated.

आरंभिक अस्तित्व में आने वाला (3 से 5 वर्ष)	अस्तित्व में आने वाला (प्री-स्कूल/किंडरगार्टन)
मौखिक भाषा 2 से 3 वर्ष: 3 शब्दों के वाक्य बोलता है जैसे, ***I do it. Mummy help me.*** 3 से 4 वर्ष: बड़ी शब्दावली से लैस होता है और अधिक जटिल वाक्य संरचनाओं का इस्तेमाल करता है। बहुवचनों का इस्तेमाल कर सकता है, सामान्यीकरण कर सकता है जैसे, ***sheeps, childs.*** भूत काल का इस्तेमाल कर सकता है, अनियमित क्रियाओं पर गलत तरीके से -ed लगा सकता है जैसे, ***runned, comed.*** बच्चे खेल के दौरान खुद से बात कर सकते हैं या गतिविधियाँ करते समय कार्यों का नाम ले सकते हैं जैसे, *मैं अपने बालों में कंघी कर रहा हूं। मैं एक अच्छी तस्वीर बना रहा हूं।* 5 वर्ष: 2500-5000 शब्दों की शब्दावली से युक्त हो जाता है। कुछ बच्चों को */l/*, */r/*, */th/* और */sh/* का उच्चारण करने में कठिनाई होती है। बहुत सारी बातें करता है, बातचीत करने के लिए भाषा का सक्रिय रूप से निर्माण करता है। यदि किसी विशेष स्थिति के लिए शब्द नहीं हैं तो शब्द बना सकता है। विभिन्न संदर्भों में शब्दों की ध्वनियों और उनके इस्तेमाल पर काम करने की कोशिश करते समय अक्सर मनोरंजक टिप्पणियां करता है। जैसे, **4-year-old girl*: I'm not being boisterous, I'm being girlstrous!*** जैसे, **3-year-old:** ***I love you, mummy.*** **Mum:** ***I love you, too.*** **3-year-old:** ***I love you, three.***	**मौखिक भाषा** अभिव्यंजक शब्दावली विकसित हो गई है। लगभग 2600 शब्द बोलता है। लगभग 20,000 शब्दों को समझता है। अच्छी तरह से गठित और जटिल वाक्यों में बोलता है। सभी शब्द भेदों का उपयोग करता है, अर्थात, प्रश्न, कथन, घोषणाएँ। एक और दो चरण के निर्देशों का पालन कर सकते हैं जैसे, *अपने जूते उतारो और फिर उन्हें अपने स्थान पर रखो।* **पढ़ना** कहानियों को ध्यान से सुनता है। जोर से पढ़ने में शामिल होता है, याददाश्त से सुनाता है। तुकबंदी पर आधारित पाठ में शब्दों का पूर्वानुमान करने में सक्षम होने लगता है। जानता है कि पुस्तकें कैसे 'काम करती हैं', कवर, मुखपृष्ठ, अंतिम पृष्ठ, शीर्षक, शब्दों, पृष्ठों जैसी अवधारणाओं को समझता है। समझता है कि पृष्ठों को कैसे पलटते हैं और छपे हुए अक्षरों को किस दिशा में पढ़ा जाता है अर्थात, ऊपर से नीचे, बाएँ से दाएँ। पाठक की तरह व्यवहार करता है। जानी-पहचानी पुस्तकें 'पढ़ता' है। वर्णमाला के अक्षरों को पहचानता है और बोलता है। अक्षरों और ध्वनियों के बीच संबंध को समझता है। विराम चिह्नों को समझने लगता है।

© 2021 Commonwealth of Australia, unless otherwise indicated. Creative Commons Attribution 4.0, unless otherwise indicated.

आरंभिक अस्तित्व में आने वाला (3 से 5 वर्ष)	अस्तित्व में आने वाला (प्री-स्कूल/किंडरगार्टन)
पढ़ना कहानियां पढ़कर सुनाने के लिए कहता है। पसंदीदा पुस्तक को बार-बार पढ़कर सुनाने के लिए कहता और उसका आनंद लेता है। याददाश्त से कहानी सुनाने के लिए पढ़ने, पृष्ठ पलटने और चित्रों का इस्तेमाल करने या चित्रों का इस्तेमाल करके नई कहानियाँ बनाने का दिखावा करता है। अपने परिवेश में छपे हुए अक्षरों को पहचानता है और उन्हें पढ़ने की कोशिश करता है। अपने परिवेश में अपने नाम को शुरू करने वाले अक्षर को देख सकता है। कुछ संख्याओं और अक्षरों को जानता है और उन्हें परिवेश और पुस्तकों में विभिन्न फॉन्ट्स में पहचानता है। **लिखना** शब्दों का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतीकों (रेखाएं, वृत्त या अन्य आकृतियाँ) का इस्तेमाल करता है। चित्रकारी और लेखन के बीच अंतर को जानता है। समझता है कि छपे हुए पाठ में संदेश होता है। अपने बनाए चित्रों को परिवेश से लिए गए अक्षरों जैसे प्रतीकों या अक्षरों से लेबल कर सकता है। अक्षरों की आकृतियों के साथ प्रयोग करता है। अक्षरों और आकृतियों को ट्रेस कर सकता है। शब्दों का प्रतिनिधित्व करने के लिए वास्तविक, किंतु बेतरतीब, अक्षरों का इस्तेमाल करने लगता है।	**लिखना** छपे हुए पाठ के नियमों को जानता है, ऊपर से नीचे और बाएं से दाएं लिखने लगता है, शब्दों के बीच जगह छोड़ता है। वर्णमाला और जाने-माने शब्दों के कुछ अक्षर लिखने लगता है। अपना नाम लिखता है। बड़े और छोटे अक्षरों को अधिक सुसंगत तरीके से लिखने लगता है। जब वह अक्षरों के गठन को परिष्कृत करता है तब दोहराए गए अक्षरों की लड़ियाँ बन सकती हैं। लिखते समय शब्दों को वर्तनी देने के लिए उनकी ध्वनियों का इस्तेमाल करने लगता है। लिखते समय एक शब्द का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रारंभिक ध्वनि का इस्तेमाल करने लगता है। किसी ध्वनि के लिए अक्षर नाम का इस्तेमाल कर सकता है जैसे, 'cake' के लिए 'cAK'. कीबोर्ड पर टाइप कर सकता है, और हस्तलिखित शब्दों या पुस्तकों के शब्दों को देखकर लिख सकता है।

© 2021 Commonwealth of Australia, unless otherwise indicated. Creative Commons Attribution 4.0, unless otherwise indicated.

आरंभिक अस्तित्व में आने वाला (3 से 5 वर्ष)	अस्तित्व में आने वाला (प्री-स्कूल/किंडरगार्टन)
विभिन्न फॉन्ट्स की अवधारणा को समझने लगता है, कि एक ही अक्षर को कई तरीकों से लिखा जा सकता है: जैसे, 'A a ɑ' अपना नाम लिखता है। बड़े और छोटे अक्षरों के बीच भ्रमित हो सकता है और उनका असंगत रूप से इस्तेमाल कर सकता है।	

आरंभिक (किंडरगार्टन से वर्ष 1 तक)	पारगमनकालीन (1 से 2 वर्ष तक)	विस्तारित (वर्ष 2 से 4 तक)

मौखिक भाषा

परिष्कृत शब्दावली और वाक्य संरचनाओं का अधिकाधिक उपयोग करता है।

विभिन्न स्थितियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी बातचीत को समायोजित कर सकता है।

प्रयोजनों और कार्यों की बढ़ती विविधता के लिए भाषा का उपयोग करता है, जैसे कि:

- व्यक्तिगत जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए जैसे, *क्या मुझे कप मिल सकता है?*
- दूसरों के व्यवहार, भावनाओं या दृष्टिकोण को नियंत्रित करने के लिए जैसे, *ऐसा मत करो।*
- दूसरों के साथ बातचीत करने और रिश्ते स्थापित करने के लिए जैसे, *क्या तुम मेरे साथ बैठना चाहते हो?*
- अपने और अपने अनुभवों के बारे में बताने के लिए जैसे, *मैं चित्र बना सकता हूँ।*
- नई चीजें सीखने और अपने ज्ञान का परीक्षण करने के लिए जैसे, *ऐसा क्यों हुआ?*
- कल्पना करने, नई दुनिया बनाने, कहानियों गढ़ने के लिए जैसे, *चलिए हम राजकुमारी बनते हैं।*
- सूचित करने, वर्णन करने, समझाने के लिए जैसे, *मैं आपको भंवरे के बारे में बताऊंगा।*

ध्यानपूर्वक सुन सकता है और अनेक चरणों वाले निर्देशों का अनुसरण कर सकता है, उदाहरण के लिए: *बाहर जाओ और कार में अपनी टोपी की तलाश करो। फिर आओ और अगर तुम्हें वह नहीं मिलती है तो मुझे बताओ।*

© 2021 Commonwealth of Australia, unless otherwise indicated. Creative Commons Attribution 4.0, unless otherwise indicated.

आरंभिक (किंडरगार्टन से वर्ष 1 तक)	पारगमनकालीन (1 से 2 वर्ष तक)	विस्तारित (वर्ष 2 से 4 तक)
पढ़ना उन अवधारणाओं के बारे में पुस्तकों को पढ़ता है जो उसकी जानी-पहचानी हैं या जिनका कथानक सरल है। अभ्यास के माध्यम से धाराप्रवाह पढ़ने लगता है। कहानी के कुछ आगामी पहलुओं का पूर्वानुमान कर सकता है। नए शब्दों की पहचान करने में मदद करने के लिए अक्षर-ध्वनि संबंध, शब्द के भागों और संदर्भ का इस्तेमाल करता है। प्रिंट किए गए पाठ में ज्ञात और बार-बार आने वाले शब्दों को पहचानता है। पढ़ने के दौरान अर्थ निकालने में मदद करने के लिए चित्रों के सुरागों का इस्तेमाल करता है। अपने खुद के पठन की निगरानी करता है और खुद ही सही करता है। जब पाठ समझ में नहीं आता है तो इस बात को ध्यान में रखता है। कथानक और कुछ विवरणों को याद करते हुए, उसने जो पढ़ा है, उस पर चर्चा कर सकता है।	**पढ़ना** उन विषयों पर पुस्तकें पढ़ता है जो उसके अपने अनुभवों से अधिक परे होते जाते हैं, जिसमें काल्पनिक और कथेतर साहित्य शामिल है। अधिक प्रवाह और अभिव्यक्ति के साथ पढ़ता है। जोर से पढ़ते समय विराम चिह्नों का अनुसरण करता है जैसे, किसी प्रश्न को इंगित करने के लिए आवाज ऊंची करना। शब्दों की पहचान करने की युक्तियों का अधिक आसानी और रफ्तार के साथ उपयोग करता है। कहानियों के सामान्य ज्ञान के आधार पर कहानी के बारे में पूर्वानुमान कर सकता है। युक्तियों का अधिक कुशल इस्तेमाल करके खुद को सही करता है। कई शब्दों को देखकर पहचानने लगता है। समझ में नहीं आने पर पाठ को फिर से पढ़ता है। कहानियों के पात्रों और घटनाओं पर चर्चा करता है। विशिष्ट प्रश्नों के उत्तर के लिए या विशिष्ट उद्देश्यों के लिए कथेतर सामग्री पढ़ता है। कहानियों को शाब्दिक स्तर पर समझता है। पुस्तकों का अधिक सूक्ष्म तात्पर्य निकालने लगता है।	**पढ़ना** और भी अधिक प्रवाह और अभिव्यक्ति के साथ पढ़ता है। अधिक जटिल पुस्तकों को अधिक देर तक स्वतंत्र रूप से पढ़ता है। अज्ञात शब्दों का सामना करते समय शब्द पहचान की युक्तियों का उचित और स्वचालित रूप से इस्तेमाल करता है। पाठ से अर्थ निकालते समय कई प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करता है। मतलब समझने के लिए पुस्तकों में दिए गए चित्रों से नहीं के बराबर सहायता लेता है। काल्पनिक और कथेतर पाठों से प्रमुख बिंदुओं का सारांश निकालता है। अपने स्वयं के अनुभवों, पुस्तकों या दुनिया के ज्ञान और पढ़ी गई पुस्तकों के बीच संबंध बनाता है। अर्थ और रिश्तों के लिए पाठों की व्याख्या करता है। पुस्तकों का मतलब समझने की क्षमता में वृद्धि होती जाती है।

© 2021 Commonwealth of Australia, unless otherwise indicated. Creative Commons Attribution 4.0, unless otherwise indicated.

आरंभिक (किंडरगार्टन से वर्ष 1 तक)	पारगमनकालीन (1 से 2 वर्ष तक)	विस्तारित (वर्ष 2 से 4 तक)
लिखना दूसरों के पढ़ने के लिए खुद अपने पाठ की रचना करता है। लिखी हुई बात बोलचाल की भाषा जैसी लगती है। मनगढ़ंत और नियमित, दोनों तरह की वर्तनी का इस्तेमाल करता है। वर्तनी के साथ सहायता के लिए शब्द संग्रहों का इस्तेमाल करता है। आमतौर पर प्रारंभिक ध्वनि और कभी-कभी अंतिम ध्वनि का उपयोग किसी शब्द को दर्शाने के लिए किया जाता है जैसे, *pla* = playing. 3 से 4 अक्षरों वाले शब्दों की सटीक वर्तनी लिखता है। एक शब्दांश वाले शब्द में ध्वनियों को मिला या अलग कर सकता है जैसे, *c-a-t.* एक शब्द में कई शब्दांशों को सुन और गिन सकता है। शब्दों के बीच अंतर अधिक सुसंगत हो जाता है। पूर्ण विरामों और बड़े अक्षरों का उपयोग करता है। विस्मय बोधक चिह्नों और प्रश्न चिह्नों जैसे अन्य विराम चिह्नों के साथ प्रयोग करता है। विभिन्न प्रयोजनों के लिए लेखन के विभिन्न रूपों या शैलियों का चयन करना शुरू करता है।	**लिखना** विविध प्रकार के पाठों या शैलियों में लिखता है। मौखिक भाषा के बजाय औपचारिक भाषा का इस्तेमाल करना शुरू करता है, अधिक लिखित लगने वाली भाषा में लिखने लगता है। अधिक लंबे और जटिल वाक्य लिखने लगता है। व्याकरण के ज्ञान का उपयोग लेखन को प्रभावी बनाने के लिए करता है जैसे, विवरण जोड़ने के लिए विशेषणों का उपयोग करता है, *ऊँचा हरा पेड़।* पढ़े गए शब्दों को सही वर्तनी के साथ लिखता है। सीखे गए वर्तनी प्रतिमानों को अपरिचित शब्दों पर लागू करने लगता है। शब्दों में कई शब्दांशों को सुन सकता है और वर्तनी में सहायता के लिए उनका इस्तेमाल कर सकता है। कई बार-बार आने वाले शब्दों को सही वर्तनी के साथ लिखता है। अंतिम कार्य (मसौदा, संपादन, पुनरावृत्ति) के निर्माण के लिए लेखन प्रक्रिया का इस्तेमाल करना शुरू करता है। लेखन की प्रक्रिया का ध्यान रखता है।	**लिखना** पढ़े गए शब्दों को सही वर्तनी के साथ लिखता है। लेखन में अधिक परिष्कृत शब्दावली और पुस्तकीय भाषा को शामिल करना शुरू करता है। उपयुक्त होने पर तकनीकी शब्दावली शामिल कर सकता है जैसे, ऑस्ट्रेलियाई पशुओं के बारे में जानकारी देने वाले पाठ में *शिशु धानी, स्तनपायी।* लेखन के विभिन्न रूपों का निर्माण करता है। ऐसी संरचना चुनता है जो किसी विशेष उद्देश्य के अनुरूप होती है। काम करने और साथियों के साथ साझा करने के लिए लेखन प्रक्रिया का इस्तेमाल करता है। अन्य छात्रों के समक्ष अपना काम प्रस्तुत करता है और अन्य छात्रों को सुझाव देता है। लंबे पाठ लिखने के लिए पैराग्राफों का इस्तेमाल करना शुरू करता है।

© 2021 Commonwealth of Australia, unless otherwise indicated. Creative Commons Attribution 4.0, unless otherwise indicated.

आरंभिक (किंडरगार्टन से वर्ष 1 तक)	पारगमनकालीन (1 से 2 वर्ष तक)	विस्तारित (वर्ष 2 से 4 तक)
वर्ड प्रोसेसिंग प्रोग्रामों में शब्दों और वाक्यों को टाइप करना शुरू करता है।		

संदर्भ

The Agenda for Children, Literacy development milestones https://letstalkcambridge.org/wp-content/uploads/Literacy-Development-Milestones-new-logo1.pdf

Halliday, M. (1973), *Explorations in the functions of language*, Edward Arnold, London

Hill, S. (2012), *Developing early literacy*: *assessment and teaching,* Eleanor Curtain, South Yarra, VIC

Vukelich, C. Christie, J. and Enz, B. (2002), *Helping young children learn language and literacy* Allyn and Bacon, Boston

Waterland, L. 1988, *Read with me: An apprenticeship approach to reading*, Thimble, Stroud

© 2021 Commonwealth of Australia, unless otherwise indicated. Creative Commons Attribution 4.0, unless otherwise indicated.